भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2101

जिसका उत्तर शुक्रवार, 12 दिसंबर, 2025/21 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाना है।

बंद पड़े यूरिया संयंत्रों का पुनरुद्धार

2101. श्री पी. वी. मिधुन रेड्डी:

क्या **रसायन और उर्वरक मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2025 तक यूरिया आयात को समाप्त करने की सरकार की योजना की वर्तमान स्थिति क्या है और बंद पड़े यूरिया संयंत्रों के पुनरुद्धार के लिए यदि कोई प्रस्ताव हैं, तो वे क्या हैं;
(ख) उक्त संयंत्रों के पुनरुद्धार के बाद घरेलू यूरिया उत्पादन क्षमता का ब्यौरा क्या है और उत्पादन स्तर के संबंध में राज्य-वार आंकड़े क्या हैं; और
(ग) पारंपरिक यूरिया की खपत को कम करने पर नैनो तरल यूरिया जैसे वैकल्पिक उर्वरकों का क्या प्रभाव पड़ा है और देश भर में इन्हें अपनाने को बढ़ावा देने के लिए राज्य-वार क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): सरकार ने यूरिया क्षेत्र में नए निवेश को सुविधाजनक बनाने और यूरिया क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 2 जनवरी, 2013 को नई निवेश नीति (एनआईपी)-2012 की घोषणा की और 7 अक्टूबर, 2014 को इसमें संशोधन किया। एनआईपी-2012 के तहत कुल 6 नई यूरिया इकाइयां स्थापित की गई हैं जिनमें नामित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की संयुक्त उद्यम कंपनियों (जेवीसी) के माध्यम से स्थापित 4 यूरिया इकाइयां और निजी कंपनियों द्वारा स्थापित 2 यूरिया इकाइयां शामिल हैं। तेलंगाना में रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल) की रामागुण्डम यूरिया इकाई तथा हिंदुस्तान उर्वरक एंड रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल) की 3 यूरिया इकाइयां नामत: गोरखपुर, सिंदरी और बरौनी क्रमश: उत्तर प्रदेश, झारखंड और बिहार में जेवीसी के माध्यम से स्थापित इकाइयां हैं। पश्चिम बंगाल में मैटिक्स फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (मैटिक्स) की पानागढ़ यूरिया इकाई; और राजस्थान में चंबल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (सीएफसीएल) की गड़ेपान-।।। यूरिया इकाई निजी कंपनियों द्वारा स्थापित इकाइयां हैं। इनमें से प्रत्येक इकाई की संस्थापित क्षमता 12.7 लाख मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एलएमटीपीए) है। ये इकाइयां अत्यधिक ऊर्जा दक्ष हैं क्योंकि ये नवीनतम प्रौद्योगिकी पर आधारित हैं। अत:, इन इकाइयों ने मिलकर यूरिया उत्पादन क्षमता में 76.2 एलएमटीपीए की वृद्धि की है जिससे वर्ष 2014-15 के दौरान रही 207.54 एलएमटीपीए की कुल स्वदेशी यूरिया उत्पादन क्षमता (पुनर्आकलित क्षमता, आरएसी) वर्ष 2023-24 के दौरान बढ़कर 283.74 एलएमटीपीए हो गई है। इसके अलावा, कोयला गैसीकरण रूट पर 12.7 एलएमटीपीए का एक नया ग्रीनफील्ड यूरिया संयंत्र स्थापित करके नामित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की जेवीसी नामत: तालचेर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (टीएफएल) के माध्यम

से एफसीआईएल की तालचेर इकाई को पुनर्जीवित करने के लिए एक विशेष नीति भी अनुमोदित की गई है। हाल ही में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ब्रह्मपुत्र वैली फ़र्टिलाइज़र कारपोरेशन लिमिटेड (बीवीएफसीएल), नामरूप असम के मौजूदा परिसर के भीतर 12.7 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) वार्षिक यूरिया उत्पादन क्षमता के एक नए ब्राउनफील्ड अमोनिया-यूरिया कॉम्प्लेक्स की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

इसके अतिरिक्त, सरकार ने स्वदेशी यूरिया उत्पादन को आरएसी से अधिक बढ़ाकर अधिकतम करने के एक उद्देश्य से मौजूदा 25 गैस-आधारित यूरिया इकाइयों के लिए 25 मई, 2015 को नई यूरिया नीति (एनयूपी)-2015 भी अधिसूचित की है। एनयूपी-2015 से यूरिया का उत्पादन वर्ष 2014-15 के दौरान हुए वार्षिक उत्पादन की तुलना में 20-25 एलएमटीपीए अतिरिक्त उत्पादन हुआ है।

उपर्युक्त सभी उपायों से यूरिया उत्पादन में वृद्धि हुई है जो वर्ष 2014-15 के दौरान 225 एलएमटी से बढ़कर वर्ष 2024-25 के दौरान 306.67 एलएमटी हो गया है।

(ख): हाल ही में, तथाकथित संयंत्रों के पुरुद्धार के बाद कुल यूरिया उत्पादन क्षमता 269.42 एलएमटी प्रति वर्ष है। वर्ष 2025-26 के दौरान (नवंबर 2025 तक) राज्य-वार उत्पादन स्तर का डेटा **अनुलग्नक** में दिया गया है।

(ग): "पारंपरिक यूरिया की तुलना में नैनो यूरिया की प्रभावकारिता, उपयोगिता और प्रभाव के मूल्यांकन" के संबंध में उर्वरक विभाग द्वारा भारतीय राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (एनपीसी) को 2024-2026 से 2 वर्षों की अवधि हेतु एक अध्ययन सौंपा गया है। इस अध्ययन के प्रमुख निष्कर्षों के अनुसार, नैनो यूरिया का उपयोग पत्तियों पर छिडकाव के लिए किया जाना चाहिए और मूल खुराक के लिए, पारंपरिक यूरिया का उपयोग अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिए। इसलिए, नैनो यूरिया का उपयोग करने पर भी पारंपरिक यूरिया की आवश्यकता होती है। अध्ययन में पता चला है कि जब नैनो यूरिया को पारंपरिक यूरिया के साथ उपयोग किया जाता है, उपज उत्पादन में वृद्धि होती है।

किसानों के बीच नैनो उर्वरकों के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित उपाय किए गए हैं:

- नैनो उर्वरकों के प्रयोग को विभिन्न गतिविधियों जैसे कि जागरूकता शिविरों, वेबिनारों, खेतों पर प्रदर्शनों, किसान सम्मेलनों और क्षेत्रीय भाषाओं में फिल्मों आदि के माध्यम से बढ़ावा दिया जाता है।
- नैनो उर्वरकों को संबंधित कंपनियों द्वारा प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों (पीएमकेएसके) पर उपलब्ध कराया जाता है।
- नैनो उर्वरकों को उर्वरक विभाग द्वारा नियमित रूप से जारी मासिक आपूर्ति योजना में शामिल किया गया है।
- पत्तियों पर छिड़काव के माध्यम से नैनो यूरिया जैसे नैनो उर्वरकों के छिड़काव और उपयोग में आसानी के लिए 'किसान ड्रोन' के माध्यम से नैनो यूरिया का छिड़काव और खुदरा बिक्री केंद्रों पर बैटरी चालित स्प्रेयरों का वितरण जैसी पहलें की जाती हैं। इस प्रयोजन के लिए, ग्राम स्तरीय उद्यमियों के माध्यम से पायलट प्रशिक्षण और कस्टम हायरिंग छिड़काव सेवाओं को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाता है।

****

अनुलग्नक

यह अनुलग्नक दिनांक 12.12.2025 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं.2101 के उत्तर के भाग (ख) से संबंधित है।

2025-26 के दौरान (नवंबर 2025 तक) राज्य-वार और संयंत्र-वार यूरिया का उत्पादन

क्र.सं.	राज्यों के नाम	संयंत्र का नाम	2025-26 (नवम्बर, 2025 तक)
			वास्तविक
सार्वजनिक क्षेत्र:			
1	पंजाब	एनएफएल: नांगल-द्वितीय	3.88
2	पंजाब	एनएफएल:भटिंडा	3.70
3	हरयाणा	एनएफएल:पानीपत	3.59
4	मध्य प्रदेश	एनएफएल: विजयपुर	6.31
5	मध्य प्रदेश	एनएफएल: विजयपुर एक्सपेंशन।	6.42
		कुल(एनएफएल):	**23.89**
6	असम	बीवीएफसीएल:नामरूप-III	1.79
		कुल(बीवीएफसीएल):	**1.79**
7	महाराष्ट्र	आरसीएफ:ट्राम्बे-V	2.67
8	महाराष्ट्र	आरसीएफ:थल	11.17
		कुल(आरसीएफ):	**13.84**
9	तमिलनाडु	एमएफएल:चेन्नई	2.91
		कुल सार्वजनिक क्षेत्र:	**42.42**
सहकारी क्षेत्र:			
10	गुजरात	इफको:कलोल	3.74
11	उत्तर प्रदेश	इफको:फूलपुर	4.70
12	उत्तर प्रदेश	इफको: फूलपुर एक्सपेंशन।	8.20
13	उत्तर प्रदेश	इफको:आंवला	8.29
14	उत्तर प्रदेश	इफको:आंवला एक्सपेंशन।	7.64
		कुल(इफको):	**32.57**
15	गुजरात	कृभको:हजीरा	14.35
		कुल सहकारी क्षेत्र:	**46.92**
		कुल (सरकारी.+सहकारी.)	**89.34**
निजी क्षेत्र:			
16	गुजरात	जीएसएफसी:वडोदरा	2.40
17	राजस्थान	एसएफसी:कोटा	2.80
18	उत्तर प्रदेश	केएफसीएल	0.01
19	गोवा	पीपीएल/जेडएसीएल:गोवा	3.05
20	तमिलनाडु	SPIC: तूतीकोरिन	5.11
21	कर्नाटक	पीपीएल - (एमसीएफएल)	3.19
22	गुजरात	जीएनएफसी: भरूच	4.13
23	उत्तर प्रदेश	इंडोरामा/ग्रासिम:जगदीशपुर	7.65
24	राजस्थान	सीएफसीएल: गडेपान -I	7.75
25	राजस्थान	सीएफसीएल: गडेपान -II	6.53
26	राजस्थान	सीएफसीएल: गडेपान -III	9.12
27	उत्तर प्रदेश	यारा/केसीएल: बबराला	8.31
28	उत्तर प्रदेश	केएफएल/केएसएफएल:शाहजहांपुर	7.24
29	पश्चिम बंगाल	मैटिक्स फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड	9.79
30	तेलंगाना	आरएफसीएल-रामागुंडम	4.80
31	उत्तर प्रदेश	एचयूआरएल:गोरखपुर	9.56
32	बिहार	एचयूआरएल: बरौनी	7.75
33	झारखंड	एचयूआरएल: सिंदरी	9.10
	कुल निजी क्षेत्र:		**108.27**
कुल(सार्वजनिक.+ सहकारी.+ निजी.):			**197.61**
		स्रोत(: dbtfert.nic.in	